हृदय और धड़कन

वर्ष-5, अंक-55, जुलाई 20, 2014

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

Price Rs. 5/-

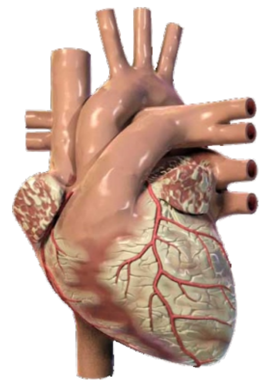

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922

कार्डियक सर्जन

डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. सौरभ जयस्वाल	+91-95867 25827
डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933

पिडियाट्रिक और स्ट्रक्चरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454
डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056

रुमेटीक बुखार क्या है ? बचाव एवं उपचार

रुमेटीक बुखार (Rheumatic Fever) आम भाषा में हृदय का रुमेटीस्म के नाम से भी जाना जाता है । अगर तीव्र रुमेटिक बुखार (Acute Rheumatic Fever, प्रथम बार होने वाला बुखार) का ईलाज समय पर और पुरी तरह से नही कीया जाये तो यह हृदय के वाल्व को प्रभावित करके ही रहता है ।

तीव्र रुमेटिक बुखार एक ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस नामक बेक्टेरीया (जीवाणु) से होता है । स्ट्रेप्टोकोकस जीवाणु आम तौर पर गले में खराश पेदा करता है तथा संक्रमण का मुख्य कारण माना जाता है । अगर समय पर इसका ईलाज नहीं कीया जाये तो यह जीवाणु तीव्र रुमेटीक बुखार पैदा करके हृदय व जोड़ो (मुख्य रुप से बडे जोड़) की बीमारी पेदा कर सकता है । कभी कभी यह त्वचा एवं मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है ।

किस आयु समूह को यह सब से ज्यादा प्रभावित करता है ?

एसा माना जाता है कि 5 से 14 साल की आयु वाले बच्चो को यह संक्रमण ज्यादा प्रभावित करता है । हालांकि लोगो की 40 वर्ष की आयु काल में यह पुनरावर्तीत हो सकता है । लेकिन यह सबसे ज्यादा बच्चों को प्रभावित करता है क्योंकि उन के आयु समूह में गले में खराश होने की संभावना सबसे ज्यादा होती है । जरुरी नहीं की सभी बच्चे जिन्हें गले में खराश या संक्रामण हो, तो यह रोग पेदा हो । अच्छी बात यह है कि यह रोग 0.3 – 3 % लोगो में ही विकसीत होता हे जिन्हे ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस का संक्रमण हुआ है ।

रुमेटीक बुखार के कारण

1. बार बार गले में संक्रामण या खराश का पेदा होना
2. स्वास्थय पुर्ण वातावरण में नही रहना
3. स्वच्छता का अभाव
4. ज्यादा भीडभाड में रहना
5. कभी कभी यह वंशानुगत भी होता है

रुमेटीक बुखार के लक्षण

जोड़ो का दर्द (Joint Pain) :

जोड़ो में सुजन व दर्द के साथ साथ जोड़ लाल व गर्म भी हो सकते है । यह रोग खासकर बैडे जोड़ो को जैसे घुटनो, टखनो, कलाई और कोहनीयो को ज्यादा प्रभावीत करता है । रुमेटी जोड़ो का दर्द घुमता रहता है अर्थात पहले एक जोड़ को प्रभावीत करता है तथा पहला ठीक

होने वाला होता है तभी वह दुसरे जोड़ को भी प्रभावित करता है ।

बुख़ार (Fever) :
मरीज़ को तेज या साधारण बुख़ार हो सकता है तथा जुख़ाम जैसे भी लक्षण हो सकते है ।

सिडनीहम्स कोरीया (Sydenham's Chorea) :
मस्तीष्क में कुछ रासायणिक बदलाव होने के कारण मरीज़ में शरीर के विभिन्न भागो का अनियंत्रित तरीके से हिलना व झटके लगना

ईरीदीमा मार्जीनेटम (Erythema Marginatum) :
छाती व पीठ की त्वचा पर लाल-लाल चकते जैसे निशान बन जाना । यह लक्षण काफी कम मरीज़ो में देखने को मीलते है ।

चमडी में गांठे (Subcutaneous nodules) :
छोटी-छोटी गोलाकार गांठे जो की कोहनी, कलाई, घुटने, टखनो व रीढ़ की हड्डी के क्षेत्रो में बन सकती है । यह लक्षण भी काफी कम मरीजो में देखने को मीलता है ।

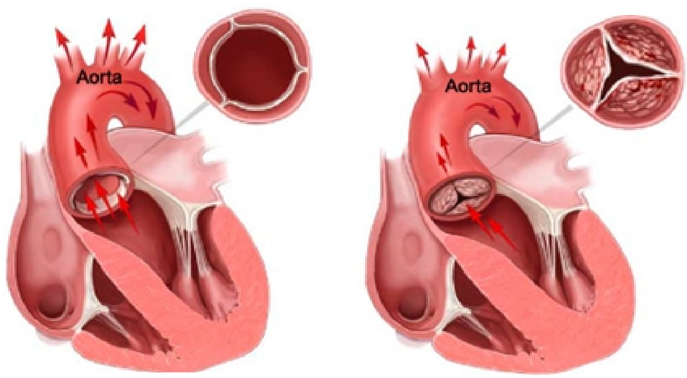

हृदय की तकलीफ (Carditis) :
मरीज़ के हृदय की धड़कन बढ जाती है तथा श्वास लेने में भी तकलीफ हो सकती है ।

रुमेटीक बुख़ार का वैज्ञानिक विश्लेषण

रुमेटीक बुख़ार एक विशेष प्रकार के ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस जीवाणु (बेक्टेरीया) के कारण होता है । जब यह जीवाणु गले के अंदर सुजन व सक्रमण पैदा करता है तो इसके विपरीत शरीर की रोगप्रतिरोधक तंत्र एक प्रोटीन का निर्माण करता है जिसे एन्टीबोडी कहते है । यह एन्टीबोडी गले में उपस्थित जीवाणु का बडी सरलता से सामना करता है तथा संक्रमण को फेलने से बचाता है ।

शरीर के कुछ प्रोटीन जो की हृदय, जोड़ो, मस्तिष्क व त्वचा में होता है उस प्रोटीन की बनावट ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस के बहुत ही समान होती है अतः जो एन्टीबोडी जीवाणु को मारने में मदद करती है वही एन्टीबोडी शरीर के स्वस्थ प्रोटीन को भी नष्ट करती है तथा नुकसान पहुंचाती है । परीणाम स्वरुप हृदय के वाल्व, मांसपेशीया, जोड, त्वचा व मस्तीष्क भी इस रोग का शिकार हो जाता है । जोड़, मस्तिष्क व त्वचा में बदलवा व नुकसान, कुछ समय बाद प्राकृतिक रुप से ठीक हो जाता है लेकिन रुमेटीक बुख़ार का उपचार यदी समय पर नही कीया जाये तो ये हृदय के वाल्व व माशपेशीयो को स्थाई रुप से खराब कर देता है परिणाम स्वरुप मरीज़ को भविष्य में या तो वाल्व का बलुन पध्धति से इलाज करवाना पडता है या बदलवाना भी पडता है ।

चिरकालिन या क्रोनीक रुमेटीक बुख़ार क्या है ?
(Chronic Rheumatic Heart Disease):

जब तीव्र (Acute) रुमेटीक बुख़ार हृदय को प्रभावित करता है तब उसे स्थाई रुप से नुकसान पहुंचाता है, बिमारी की अवस्था को हम क्रोनीक रुमेटीक हार्ट की बीमारी कहते है ।
सबसे ज्यादा नुकसान हृदय के वाल्व में होता है जो सुकड (Stenosis) भी सकता है । क्षतीग्रस्त होने के कारण अगर वाल्व पुरी तरह से बंद नहीं हो तो रक्त को पीछे की तरफ भी धकेल (Regurgitation) सकता है । कुछ रोगीयो में यह समस्या एक साथ एक वाल्व या अलग अलग वाल्व में भी हो सकती है ।

हृदय के अंदर वैसे तो चार वाल्व अलग अलग जगह पर होते हे लेकिन रुमेटीक हार्ट बुख़ार ज्यादातर माइट्रल (Mitral) ऐओर्टीक (Aortic) व ट्राईकस्पीड (Tricuspid) वाल्व को मुख्यता से प्रभावित करता है ।

इन सभी लक्षणो में से जोड़ो का दर्द व बुख़ार सबसे ज्यादा मरीज़ो में देखने को मीलता है ।

अगर मरीज़ का वाल्व बहुत ज्यादा खराब या प्रभावित नहिं हो तो कभी कुछ भी लक्षण प्रकट नहीं होते तथा सामान्य जांच के दौरान ही पता चलता है । यदी वाल्व में खराबी बहुत ज्यादा हो या हृदय की मांसपेशीया काफी कमजोर पड जाती हो तो मरीज़ में निम्नलिखित लक्षण दिखाई देते है ।

१. धड़कन का बढ़ा हुआ महसुस होना
२. श्वास में तकलीफ
३. सोते समय अचानक ऑक्सिजन की कमी महसुस होना तथा उठकर बैठ जाना
४. पावों में सुजन

तीव्र रुमेटीक बुखार का ईलाज
(Treatment of Acute Rheumatic Fever)

तीव्र रुमेटीक बुखार का मुख्य इलाज एस्प्रिन है जो की बहुत ही ज्यादा मात्रा में (100 mg/kg/day) दी जाती है । जब रुमेटीक का असर पहुत ज्यादा होता है तो पहले स्टीरोईड (steroid) दवा को थोडे समय तक देकर उसे एस्पीरीन की दवा से अधिव्यापन भी किया जाता है । गले में खराश व जीवाणु को नियंत्रण में करने के लिये 10 दिन की एन्टीबायोटीक का कोर्स भी दीया जाता है । मरीज़ को अगर लक्षण ज्यादा हो तो उसे कुछ समय तक पुरा विश्राम (Bed Rest) करने की सलाह दी जाती है । अगर तीव्र रुमेटीक बुखार का ईलाज समय पर हो जाये तो व्यक्ति के दिल में स्थायी वाल्व की बिमारी होने से बचा सकता है या उसे और आगे बढने से रोक सकते है ।

चिरकालीन रुमेटीक हृदय की बीमारी का ईलाज
(Treatment of Chronic Rheumatic Heart Disease)

चिरकालीन रुमेटीक बीमारी को ठीक करने की कोई दवा नहीं होती है, मरीज़ को इसके लक्षण के प्रमाण से इलाज दिया जाता है, अगर श्वास में तकलीफ ज्यादा हो तो उसके वाल्व को गुब्बारे से चौडा करने (Balloon Mitral Valvuloplasty - BMV) या फिर वाल्व को बदले की सलाह दी जाती है ।

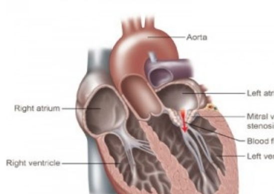

तीव्र रुमेटीक बुखार की रोकथाम

उचित देखभाल एवं नियमित रुप से पेनिसिलिन इन्जेक्शन के द्वारा, रुमेटीक बुखार के साथ अधिकांश लोग एक सामान्य जीवन व्यतित कर सकते है ।

- गले में खराश हो तो अनदेखी न करें । अपने चिकित्सक से परामर्श करे । गले में खराश के समुचित इलाज से रुमेटीक बुखार के हमले को रोकने में सहायता होती है ।
- स्वस्थ एवं स्वच्छ वातावरण में रहे ।
- हाथ एवं मूंह नियमित रुप से साफ करे - स्ट्रेप एवं अन्य कीटाणुओं को धोने के लिए ।
- बच्चो में इसके लक्षणो का ध्यान रखे, 5 से 14 साल की आयु वाले लोगों में रुमेटीक बुखार होने की संभावना सबसे ज्यादा रहती है ।
- रुमेटीक बुखार की वजह से हृदय प्रभावित हो सकता है इसलिए धूम्रपान या मोटापे जेसे कारणो से हृदय पर ज्यादा तनाव न डाले ।
- शरीर को स्वस्थ रखने के लिए एवं कीटाणुओं से लडने में सहायक हो एसा स्वास्थप्रद आहार ले ।

पेनीसीलीन इन्जेक्शन

एक बार अगर किसी व्यक्ति को तीव्र रुमेटीक बुखार होता है तो उसे अगले 10 साल तक या 21 वर्ष की उम्र तक इसमें से जो भी समय ज्यादा हो तब तक पेनीसीलीन का इन्जेक्शन लेना पडता है । लेकिन अगर किसी व्यक्ति के हृदय के वाल्व को नुकसान पहुंच चुका है तो उस व्यक्ति को इन्जेक्शन 35-40 साल की आयु तक लेना चाहिये । यह एक तौर पर लंबी अवधि लगती है लेकिन यदि यह उपचार न किया गया तो वह व्यक्ति को फिर से रुमेटिक का हमला हो सकता है जो यकीनन उस के हृदय के लिए घातक सिद्ध हो सकता है ।

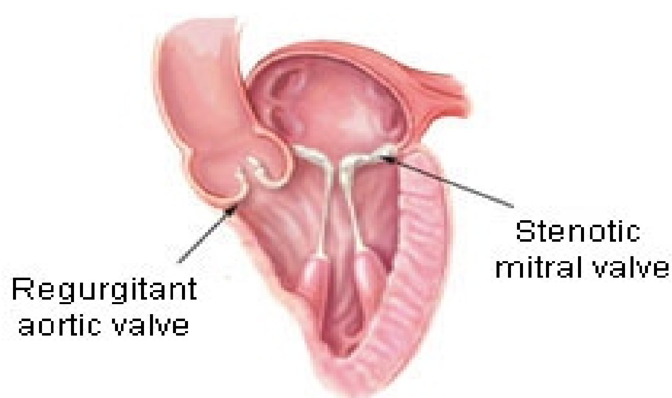

रुमेटीक बुख़ार के इतिहास वाले व्यक्ति को अपना पेनिसिलिन इन्जेकशन लेना कभी भी नहीं भूलना चाहिए । अगर व्यक्ति एक इन्जेकशन लेना भूल जाता है तो दूसरा इन्जेक्शन जल्द से जल्द ले लेना चाहिए । पेनिसिलिन इन्जेक्शन लेना भूल जाना एक तरह से रुमेटीक बुख़ार के हमले को दुबारा न्यौता देने जैसा है जिस से कि हृदय को स्थायी रुप से हानि पहुंच सकती हे । आप को इन्जेक्शन कब लेना है उस का एक चार्ट बनाकर फ्रिज या फिर अलमारी पर लगा के रखें एवं आप के मोबाईल फोन में रिमाईन्डर रखें । यह आप के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है कि आप इन्जेक्शन लेना और चिकित्सालय जाना याद रखें ।

रुमेटीक के दुबारा हमले की रोकथाम

यदि किसी को अतीत में रुमेटीक बुख़ार हुआ है, तो उसे पुनः रुमेटीक बुख़ार का हमला होने की संभावना बढ जाती है । कई वर्षो तक पेनिसिलिन इन्जेक्शन के रुप में नियमित उपचार ही रुमेटीक की पुनरावृत्ति या दुबारा होने वाले संभवित हमले को रोकने का एकमात्र रास्ता है । बुख़ार का पुनरावर्तित हमला रुमेटीक हृदय रोग को और भी ख़राब परिस्थिति में ला खडां कर देता है ।

एक बार किसी व्यक्ति की वाल्व की सर्जरी हो चूकी हो तो तथा उसका हृदय और भी कमजोर न हो इस के लिए रुमेटीक बुख़ार के फिर से हमले से बचना जरुरी है।

तीव्र रुमेटीक बुख़ार, इस की पुनरावृत्ति या रुमेटीक हृदय रोग के रोकथाम के रास्ते

नियमित रुप से पेनिसिलिन इन्जेक्शन

- रुमेटीक बुख़ार को रोकने के लिए सब से श्रेष्ठ उपाय नियमितरुप से पेनिसिलिन का इन्जेक्शन लेना है । यह डॉक्टर द्वारा निर्धारित किया जाता है ।
- 10 साल तक या 21 वर्ष की उम्र तक इसमें से जो भी समय ज्यादा हो तब तक पेनीसीलीन का इन्जेक्शन लेना पडता है ।
- इन्जेक्शन लेना पीडाकारक है लेकिन समय के साथ यह आसान हो जाता है ।
- यह इन्जेक्शन तालीमबद्ध हेल्थ वर्कर, नर्स या डॉक्टर द्वारा सेन्सीटीवीटी टेस्ट करने के बाद ही दिया जाना चाहिए ।

सीम्स अस्पताल को इन्टरनेशनल सेन्टर ऑफ एक्सेलन्स की मान्यता

International Centers of Excellence
2014–2015

समस्त विश्व और भारत में एवं गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेशमें विश्वस्तरीय उच्चत्तम हृदय रोग के ईलाज के लिए एक मात्र हॉस्पिटल

हर साल, हृदयरोग के उपचार हेतु लाखो लोग भर्ती होते है । सीम्स अस्पताल में, हम हमारे हृदयरोग के सभी मरीज़ो को योग्य निदान प्राप्त करने में एवं श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने में ठीक समय पर हस्तक्षेप करने के अलावा भविष्य में फिर से अस्पताल में न आना पडे उस संभावना को न्यून करने के साथ सुनिश्चित सेवाएं उपलब्ध करवाने को प्रतिबद्ध है ।

हाल ही में, हमारे प्रयासो की वजह से सीम्स अस्पताल को अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी द्वारा इन्टरनेशनल सेन्टर ऑफ एक्सेलन्स के तौर पर मान्यता प्राप्त हुई ।

यह विशिष्टता का लाभ यह हुआ कि हमारी कार्डियाक केर टीम (दिल की देखभाल करनेवाला जथ्था) की जिस में सर्जन्स, डाक्टर्स, नर्सिंग, फार्मासिस्ट एवं अन्य लोग सामिल है, अब उनके श्रेष्ठतम परिणाम प्राप्त करने हेतु, अद्यतन वैज्ञानिक संशोधन एवं माहिती के आधार पर सहाय के लिए तैयार किये गये कार्यक्रम एवं साधन का उपयोग कर सकेगें ।

कार्डियाक केर टीम के लिए वैज्ञानिक संशोधन एवं मार्गदर्शन, आंतरराष्ट्रीय सुधार कार्यक्रम एवं शैक्षणिक तथा साधनो को लिए ख्यात ऐसी अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी जैसी संस्था के साथ कार्य करने का अवसर पाकर हम उत्साहित है ।

इन्टरनेशनल सेन्टर फोर एक्सेलन्स के तौर पर मान्यता हमारी कार्डियोवास्क्युलर केर के मरीज़ो एवं आसपास के समुदाय के लिए हमारी प्रतिबद्धता को स्पष्टरुप से दर्शाता है ।

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... we care
NABH
NABL
सीम्स एक्सप्रेस (कार्डियोलॉजी) उसी दिन अपोईन्टमेन्ट नये मरीज़ / दुसरे अभिप्राय के लिये
फॉन 098250 66661, 079-3010 1008 (सुबह 9 से शाम 5 बजे तक) 098244 50000 (24 x 7)
सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
info@cims.me । www.cims.me /cimshospitals

नियमित रुप से दांतो का चेकअप-जांच

- आप के दंत चिकित्सक (डेन्टिस्ट) को बतायें कि आप रुमेटीक बुखार या रुमेटीक हृदय रोग से पीडित है या नही ।
- अतीत में रुमेटीक बुखार से पीडित होने पर दंत प्रक्रिया के बाद बैक्टीरियल एन्डोकार्डिटिज (Bacterial endocarditis - शरीर के आंतरिक अंगो का संक्रमण, जो कि एक जानलेवा बिमारी है) विकसित हो सकती है । अगर दंत चिकित्सक इस बारे में जानते है तो वे आपको दांत निकालने या फिलिंग करने से पहले एन्टिबायोटीक का इन्जेकशन देगें ताकि आप बेक्टेरिया एन्डोकार्डाटिस से बच सके ।
- कृपया दिन में दो बार ठिक से ब्रश करे और साल में एक बार दंत चिकित्सक को दिखायें-

अपने दिल के वाल्वस की जांच कराये

- हृदय के वाल्व की स्थिति समझने के लिये समय समय पर इकोकार्डियोग्राफी कराये । यह जांच विशेषज्ञ के द्वारा करायें जैसे कि कार्डियोलोजिस्ट ।

यह बात याद रखें की तीव्र रुमेटीक बुखार से बचाव करने से रुमेटीक हृदय रोग से बचा जा सकता है । अगर एक बार किसी व्यक्ति को रुमेटीक हृदय रोग हो गया तो फिर वह उसके साथ आजीवन रहता है, इसके बावजुद भी सामान्य जिवन व्यतित कर सकता है । थोडी सी सावधानी बरतने से बाकी उचित देखभाल और नियमित पेनिसिलिन इन्जेक्शन के साथ, अधिकांश बच्चे कि जिन्हे रुमेटीक बुखार होता है, सामान्य जीवन व्यतित करते है ।

सौजन्य

डॉ. सत्य गुप्ता
एम.डी., डी.एम. कार्डीयोलोजी (सीएमसी वेल्लोर)
फेलो इन इन्टरवेन्शनल कार्डीयोलोजी (फ्रान्स)
फेलो इन युरोपीयन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी (FESC)
फेलो इन अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (FACC)
रेडियल इन्टरवेन्शन्स के विशेषज्ञ
मोबाईल : +91-99250 45780
ई-मेल : satya.gupta@cims.me
वेबसाईट : www.drsatyagupta.com

डॉ. सत्य गुप्ता राजस्थान के जोधपुर, पाली, सुमेरपुर, सीरोही, आबु रोड, भीनमान, सांचोर और धानेरामें अपनी सेवाए प्रदान करते है । इसकी ज्यादा जानकारी पेज-7 में दी गई है ।

CIMS ECMO

CIMS

ECMO ECLS
(Extracorporeal Membrane Oxygenation-Extracorporeal Life Support System)
पहली बार गुजरात, राजस्थान औरमध्यप्रदेश में

भारतमें सबसे बडी ECMO टीमो में से एक

ECMO मशीन निम्नलिखित स्थितियोमें मददगार होता है :

हृदय की समस्याएं:
- हार्ट फेल्योर
- बायपास सर्जरी के पहले या बाद
- हृदय प्रत्यारोपण के पहले या बाद
- जटील हृदय की सर्जरी के बाद
- जन्मजात हृदय की समस्याएं
- दिल का बडा दौरा पडने के बाद
- जटिल एन्जियोप्लास्टी के पहले या बाद

फेफडे की समस्याएं:
- वयस्को में रेस्पीरेटरी डिस्ट्रेस सिन्ड्रोम (ARDS)
- स्वाईन फ्लु, न्युमोनिया
- अस्थेमेटिक स्थिति
- केमिकल न्युमोनिया
- इन-हेलेशनल न्युमोनिया
- नियर ड्रोनिंग
- अक्युट चेस्ट सिन्ड्रोम (सिकल सेल)
- ब्रोन्कीयोलीटीस, रेसीस्टन्ट अेर लीक सिन्ड्रोम

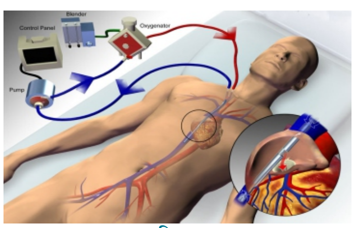

ECMO सिस्टम द्वारा दुनिया में सेंकडो जाने बचाई गई है

ECMO पैकेजीस (8 दिन के)*

विवरण	सीम्स दर	जो मरीज़ कम समर्थ है उनके लिये RKP ट्रस्ट की मदद द्वारा
ECMO (जनरल वोर्ड)	₹ 4,70,000	₹ 3,95,000#
ECMO (सिंगल क्लास)	₹ 6,70,000	---
ECMO (स्युट क्लास)	₹ 9,00,000	---

#सब्सिडी ट्रस्ट की जांच प्रक्रिया के अनुसरा योग्य मानदंड पुरे किये जाने वाले रोगियों का प्रदान की जायेगी *शर्ते लागु

सीम्स अस्पताल: शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008
(मो) +91-98250 66661 ईमेल : opd.rec@cimshospital.org
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770
ईमेल : info@cims.me वेब : www.cims.me

Green Hospital
CIMS® Care Institute of Medical Sciences
NABH NABL

ECMO चीफ को-ओर्डिनेटर्स
डॉ. धवल नायक +91-90991 11133

ECMO क्रीटीकल करे / रेस्पीरेटरी टीम
डॉ. विपुल ठक्कर +91-98254 88220
डॉ. भाग्येश शाह +91-90990 68938
डॉ. हर्षल ठाकर +91-99099 19963
डॉ. अमित अेच. पेटल +91-98243 10150
डॉ. नितेश के. शाह +91-98250 27487

ECMO नीओनेटोलॉजी और पीडियाट्रीक कार्डियाक टीम
डॉ. अमित चित्तलीया +91-90999 87400
डॉ. कश्यप शेठ +91-99246 12288
डॉ. शौनक शाह +91-98250 44502

ECMO कार्डियाक सर्जरी टीम
डॉ. धीरेन शाह +91-98255 75933
डॉ. धवल नायक +91-90991 11133
डॉ. सौरभ जयस्वाल +91-95867 25827

ECMO पर्फ्युसनीस्ट टीम
उल्हास पडीयार +91-98983 57772
धन्यता धोलकीया +91-95864 49430

ECMO नर्सिंग टीम

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

www.cims.me/ecmo

CIMS

सीम्स कैन्सर... एक नयी उम्मीद

सीम्स अस्पतालमें विश्व की अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी जो कैन्सर के विरुद्ध संघर्ष में मदद करेगा

एशिया में पहली बार, Versa-HD रेडियेशन थेरापी जो विभिन्न प्रकार के ट्युमर और जटिल प्रकार के कैन्सर का ईलाज करेगा

अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी | कुशल कैन्सर चिकित्सक | सक्षम और व्यक्तिगत कैन्सर समाधान | कैन्सर का शीघ्र निदान और ईलाज

रेडियेशन ओन्कोलॉजीस्ट डॉ. देवांग सी. भावसार (मो) 098253 74411
डॉ. किंजल आर. जानी (मो) 098255 76533

कैन्सर स्पेश्यालीटी क्लिनिक

- मुंह और गले के कैन्सर
- स्तन कैन्सर
- होजरी और कोलोरेक्टर
- प्रोस्टेट और मूत्राशय का कैन्सर
- गायनेक कैन्सर
- फेफड़े के कैन्सर
- बच्चो के कैन्सर
- बोन कैन्सर
- दिमाग का कैन्सर

सीम्स कैन्सर एक्सप्रेस

रेडियोथेरापी / कीमोथेरापी / सर्जरी कन्सलटेशन, सेकन्ड ओपीनियन के लिये सर्वोत्तम सेवा हेतु तात्कालिक (उसी दिन) अपोईन्टमेन्ट

प्रतिदिन ओपीडी (सोमवार से शनिवार) सुबह 9 से रात्रि 8 बजे तक

अपोईन्टमेन्ट के लिये संपर्क करे +91-99792 75555
+91-79-3010 1257

ईमेल : cims.cancer@cimshospital.org

CIMS® Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... we care

NABH NABL

सीम्स हॉस्पिटल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770
info@cims.me I www.cims.me

सीम्स कैन्सर आउट पेशन्ट क्लिनिक

कैन्सर सर्जन के कन्सलटेशन का समय

	सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक	दोपहर 12 से 2 बजे तक	दोपहर 3 से 5 बजे तक	शाम 6 से 8 बजे तक
सोमवार	डॉ. दर्शित दलाल डॉ. दर्शन भणशाली डॉ. जैमीन शाह	डॉ.जयेश डी. पटेल डॉ. चैतन्य श्रोफ	डॉ. धवल राजदे डॉ. रुपेश मोदी	डॉ. मुकुल त्रिवेदी डॉ. अंजना चौहाण डॉ. जयवीरसिंह झाला
मंगलवार	डॉ. मुर्तुझा लक्ष्मीधर डॉ. नटु पटेल डॉ. जयेश वी. पटेल और ग्रुप	डॉ. नटवर गुप्ता	डॉ. धवल राजदे डॉ. रुपेश मोदी	डॉ. अंजना चौहाण डॉ. जस्मिन वसावडा डॉ. पिनाकीन शाह डॉ. ब्रिजेश पटेल
बुधवार	डॉ. मुर्तुझा लक्ष्मीधर डॉ. शंकुतला शाह	डॉ. चैतन्य श्रोफ	डॉ. महेश पटेल डॉ. मुकुत त्रिवेदी डॉ. मीता मांकड	डॉ. किरण कोठारी डॉ. अशोक पटेल
गुरुवार	डॉ. जयेश वी. पटेल डॉ. नटु पटेल डॉ. देवेन्द्र परीख	डॉ. चैतन्य श्रोफ	डॉ. अंजना चौहाण डॉ. रुपेश मोदी	डॉ. मुकुल त्रिवेदी डॉ. शैलशकुमार पटेल
शुक्रवार	डॉ. जयेश प्रजापति डॉ. भावना परीख	डॉ. जयेश डी. पटेल डॉ. जस्मिन वसावडा डॉ. पिनाकीन शाह डॉ. ब्रिजेश पटेल	डॉ. जयेश जे. पटेल डॉ. आवा देसाई	डॉ. तरंग पटेल डॉ. अशोक पटेल
शनिवार		डॉ. अंजना चौहाण डॉ. राजन टंकशाली (दोपहर १ से २ बजे तक)	डॉ. सोमेश चंद्र	

कैन्सर विशेषज्ञ के कन्सलटेशन का समय

	सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक	दोपहर 3 से 5 बजे तक
सोमवार	डॉ. राहुल जयस्वाल	डॉ. अभिषेक ककरु
मंगलवार	डॉ. भाविन शाह	डॉ. चिराग देसाई
बुधवार	डॉ. राहुल जयस्वाल	डॉ. अभिषेक ककरु डॉ. संदिप शाह
गुरुवार	डॉ. भाविन शाह	डॉ. अभिषेक ककरु
शुक्रवार	डॉ. राहुल जयस्वाल	डॉ. चिराग देसाई
शनिवार ओन कोल	डॉ. राहुल जयस्वाल डॉ. अभिषेक ककरु	

बच्चे के कैन्सर के विशेषज्ञ का कन्सलटेशन

डॉ. दीपा त्रिवेदी - हर मंगलवार और शुक्रवार

विशेष कन्सलटेशन

डॉ. शैलेष तलाटी डॉ. संदिप शाह

डॉ. मीथुन शाह : ओन कोल (सोमवार से शनिवार)

डॉ. दिलीप श्रीनिवासन

(मंगलवार दोपहर १२ से १ बजे तक)

सीम्स अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ और जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जन अब से राजस्थानमें निम्नलिखित स्थान पर परामर्श के लिये मिलेगें ।

डॉक्टर का नाम	दिन	समय	स्थान	अपोइन्टमेन्ट नंबर
डॉ. सत्य गुप्ता (हृदयरोग विशेषज्ञ)	तीसरे शनिवार	सुबह 9 से 12 बजे	**जोधपुर**	+91-9879882909
		दोपहर 2 से 7 बजे	**पाली**	+91-9879882909
	तीसरे रविवार	सुबह 8 से 11 बजे	**सुमेरपुर**	+91-9879882909
		दोपहर 12 से 1 बजे	**सीरोही**	+91-9879882909
		शाम 4 से 5 बजे	**आबु रोड**	+91-9879882909
	चौथे रविवार	सुबह 8 से 11 बजे	**भीनमाल**	+91-9879882909
		दोपहर 12 से 3 बजे	**सांचोर**	+91-9879882909
		शाम 4 से 5 बजे	**धानेरा**	+91-9879882909
डॉ. कश्यप शेठ (बाल हृदयरोग विशेषज्ञ)	तीसरे बुधवार	सुबह 10 से 12 बजे	भंडारी चिल्ड्रन अस्पताल 90-एल रोड, भोपालपुरा, **उदयपुर**।	+91-9924612288
		दोपहर 12 से 2 बजे	मेडीसेन्टर सोनोग्राफी लेब, श्रीनाथ प्लाझा, एम.बी. गर्वमेन्ट अस्पताल के सामने, **उदयपुर** ।	+91-9924612288
डॉ. धीरेन शाह (हृदय की बायपासके विशेषज्ञ) **डॉ. पुरव पटेल** (दिमाग और स्पाईन सर्जरी के विशेषज्ञ) **डॉ. अमिर संघवी** **डॉ. अतित शर्मा** (जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ) **डॉ. जयंत झाला** (सर्जीकल गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी हीपेटोबीलीयरी और लेप्रोस्कोपी के विशेषज्ञ)	चौथे शनिवार	सुबह 10 से 1 बजे	अमर आशिष अस्पताल दामीनी होटल के नजदीक, एम.बी. गर्वमेन्ट अस्पताल के सामने, **उदयपुर** ।	+91-9099537491 +91-9099066527 +91-9825108257 +91-9099066528
डॉ. अमिर संघवी **डॉ. अतीत शर्मा** (जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ) **डॉ. पुरव पटेल** (दिमाग और स्पाईन सर्जरी के विशेषज्ञ) **डॉ. जयंत झाला** (सर्जीकल गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी हीपेटोबीलीयरी और लेप्रोस्कोपी के विशेषज्ञ)	तीसरे शनिवार	सुबह 9 से 12 बजे	वसुंधरा अस्पताल, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, **जोधपुर** ।	+91-9099537491 +91-9825108257 +91-9099066528 +91-9099066527
		दोपहर 3 से 5 बजे	रोझी फिझीयोथेरापी सेन्टर, वुडलेन्ड होटल के सामने, सुरज पोल, **पाली** ।	

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2013-2015 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2015

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,
Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.
Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)
Fax: +91-79-2771 2770
Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

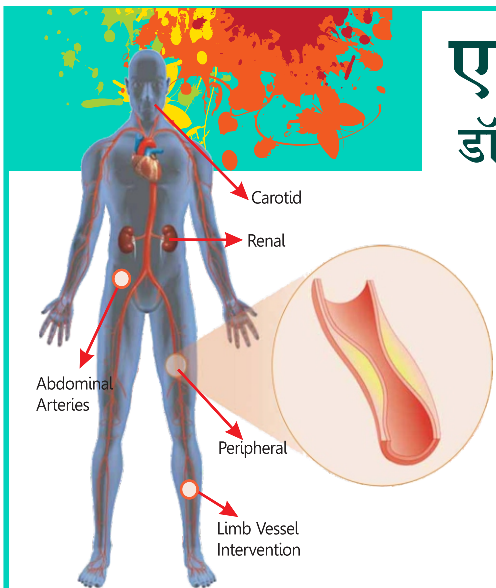

एन्डोवास्क्युलर पेरीफेरल वर्कशोप

डॉ. आशित जैन (युएसए) के साथ अगस्त 21-22, 2014

जो मरीज़ निम्नलिखित समस्या से पीडित है :

दिमाग की नस की सूकडन • किडनी के नस की सूकडन
हाथ या पांव की नलियोमें सूकडन • पांव की शिराओ में सूकडन या फुलाव
फेफड़ो की बडी नस में रुकावट • छाती में हड्डी से दबाव • बच्चेदानी में गांठ
धमनीयोमें विक्रता • शिराओ की वजह से पांव में घाव
पेट की नस में कमजोरी व फुलाव • आंतो की नली में सुकडन

संबंधित मरीजों के लिए रोजाना जाँच केम्प जून, 2014 से सीम्स अस्पातल में शुरु किया गया है। समय दोपहर 2 से सांय 6 बजे तक

अपोइन्टमेन्ट लेना आवश्यक है । फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008

मरीजो को निम्नलिखित निःशुल्क सेवाएँ दी जायेगी :
कन्सल्टैशन • एबीआाई
डॉप्लर (आर्टीरीयल और वेरीकोज़ वेईन्स - यदि सूचित किया जाए तो)

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... we care

सीम्स अस्पताल: शुकन मॉल के पास,
ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स)
फेक्स : +91-79-2771 2770

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.me | www.cims.me

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।